शब्दबाणों का प्रहार

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

राष्ट्रबाण

सिवनी

संपादक : संजय बघेल

• वर्ष : 11 • अंक : 174 • पृष्ठ : 06 • मूल्य : 5.00 रुपए

गुरुवार 12 नवंबर 2026

E-PAPER: www.rashtrabaan.in

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

नागालैंड के कोहिमा में हाईवे पर संदिग्ध आईईडी धमाका

कोहिमा। नगालैंड के कोहिमा जिले में बुधवार को एक हाईवे के किनारे संदिग्ध आईईडी धमाका हुआ, जिससे एक रिटेनिंग वॉल (सहारा देने वाली दीवार) को नुकसान पहुंचा है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। यह घटना सुबह करीब 7.30 बजे खुजामा गांव के पास हुई, जिसके बाद पुलिस और सेना के जवानों को मौके पर तैनात कर दिया गया। शुरुआती जांच में हाईवे के किनारे बनी एक रिटेनिंग वॉल को नुकसान पहुंचने का पता चला है, जबकि सड़क के दूसरी तरफ मौजूद पेड़ों पर भी धमाके के निशान देखे जा सकते हैं। मौके से करीब 110 मीटर तांबे का तार भी बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि धमाके वाली जगह के पास, सड़क के ऊपर पहाड़ी ढलान पर एक बड़ा चाकू (माचेते) और चॉकलेट के रैपर मिले हैं।

गोवा में 4 साल की बच्ची से रेप, आरोपी गिरफ्तार

पणजी। गोवा में 4 साल की बच्ची के साथ रेप का मामला सामने आया है। पुलिस ने बिहार के रहने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एक हफ्ते में राज्य में नाबालिग से यौन हिंसा का यह दूसरा मामला है। पुलिस के मुताबिक, घटना मंगलवार रात कुशावती जिले के काणकोण तालुका के श्रीस्थल गांव में हुई। आरोपी दो दिन पहले ही गोवा आया था और एक बेकरी में काम कर रहा था। इससे पहले रविवार रात उत्तरी गोवा के मापुसा में गुब्बारे बेचने वाले की 3 साल की बेटी के साथ भी रेप हुआ था। उस मामले में आरोपी का पता नहीं चला है।

कर्नाटक के गृह मंत्री खड़गे के खिलाफ पुलिस में शिकायत

बेंगलुरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे के खिलाफ बेंगलुरु में पुलिस शिकायत दर्ज कराई गई है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर बिहार और हरियाणा में जिंदा कारतूस बरामद होने की घटनाओं को ऋस्स से जोड़कर गलत और भ्रामक जानकारी शेयर की। शिकायतकर्ता का दावा है कि इस तरह के बयान से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ सकता है और लोगों को भड़काया जा सकता है।

महाराष्ट्र के अमरावती में निर्माणाधीन दरबार का गेट गिरा, 3 घायल

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में रामपुरी कैंप में बन रहा सच्चुराम दरबार का प्रवेश द्वार गिर गया। हादसे में 3 मजदूर घायल हो गए। मौके पर बचाव अभियान जारी है।

स्वच्छता सर्वेक्षण-2025, सुपर स्वच्छ लीग में नवी मुंबई नंबर वन: सूरत दूसरे नंबर पर रहा

राजस्थान में जयपुर, एमपी में ग्वालियर सबसे साफ

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in



राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मू ने बुधवार को स्वच्छता सर्वेक्षण-2025 के पुरस्कार दिए। इस बार सुपर स्वच्छ लीग में नवी मुंबई पहले, सूरत दूसरे और आंध्र प्रदेश का विजयवाड़ा तीसरे स्थान पर रहा है। पिछले सर्वेक्षण में सुपर स्वच्छ लीग में इंदौर पहले, सूरत दूसरे और नवी मुंबई तीसरे स्थान पर थे। इसके अलावा राजस्थान में जयपुर और मध्य प्रदेश में ग्वालियर को सबसे स्वच्छ शहर बताया गया है।

अहमदाबाद को मेंटर सिटी कैटेगरी में पहला, इंदौर को दूसरा और तिरुपति को तीसरा स्थान मिला। स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत इनके साथ क्रमशः साणंद, देपालपुर और कुप्पम को मेंटी सिटी बनाया गया था।

3 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले स्वच्छ शहरों में चंडीगढ़ दूसरे नंबर पर: स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के नतीजे बुधवार को घोषित किए गए। इसमें चंडीगढ़ ने 3 लाख से 10 लाख तक की आबादी वाले शहरों की श्रेणी में स्वच्छता के मामले में देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। इस श्रेणी में मध्य प्रदेश का उज्जैन पहले स्थान पर रहा। स्वच्छ सर्वेक्षण में शहरों का मूल्यांकन 43 अलग-अलग मानकों के आधार पर किया गया। इनमें कचरा संग्रहण, गीले और सूखे कचरे का अलग-अलग प्रबंधन, कचरे का निस्तारण, सार्वजनिक स्थानों की सफाई और स्वच्छता अभियान में लोगों की भागीदारी जैसे पहलू शामिल हैं।

देश का तीसरा सबसे साफ शहर बना लखनऊ: लखनऊ देश का तीसरा सबसे साफ शहर बन गया है। स्वच्छ सर्वेक्षण- 2025-26 में की लिस्ट जारी हो गई है। इसमें लखनऊ को सबसे स्वच्छ शहरों की लिस्ट में तीसरा स्थान मिला है। पिछले साल लखनऊ ने बड़ी छलांग लगाते हुए 44वें स्थान से तीसरा स्थान हासिल किया था। इस बार भी नगर निगम ने अपनी रैंकिंग बरकरार रखी है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में विशाखापत्तनम ने पहला और जबलपुर ने दूसरा स्थान हासिल किया है। लखनऊ इस सूची में तीसरे स्थान पर रहा। यह सर्वेक्षण का 10वां संस्करण था। इसमें देश के 4,751 से अधिक शहरों को शामिल किया गया।

भोपाल सात साल की मेहनत के बाद टॉप-2, अब दौड़ से बाहर

भोपाल ने लगातार सात साल की मेहनत के बाद पिछली स्वच्छता रैंकिंग में देश के दूसरे सबसे स्वच्छ शहर का मुकाम हासिल किया था। लेकिन इस बार शहर को राष्ट्रीय पुरस्कारों की दौड़ में जगह नहीं मिली। इसकी बड़ी वजह आदमपुर छावनी में जमा करीब 5 लाख टन पुराने कचरे का निपटान नहीं होना माना जा रहा है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में प्रकरण चल रहा है।

राजस्थान में जयपुर को सबसे साफ सिटी का अवॉर्ड

राजस्थान के किसी शहर की रैंकिंग किसी भी कैटेगरी में टॉप 3 में नहीं आई है। हालांकि जयपुर को स्टेट फर्स्ट ऑफ स्वच्छ सिटी अवॉर्ड मिला है। वहीं 10 लाख से ज्यादा आबादी में देश के स्वच्छ तीन शहरों में जयपुर शामिल नहीं है। पिछली बार इसमें जयपुर टॉप 20 में रहा था।

इसके अलावा 3 खास बातें

1. स्वच्छ शहर जोड़ी : मेंटर और मेंटी शहरों के लिए नई पुरस्कार पहल। 2. रिवर टाउन/अर्बन रिवर फ्रंट्स : नदी किनारे बसे शहरों के लिए विशेष मूल्यांकन। 3. कोस्टल एरिया : समुद्र तटीय शहरों के लिए अलग मूल्यांकन मैट्रिक्स।

• स्वच्छ तटीय शहर
पुरी, ओडिशा
अलाप्पुझा, केरल
रत्नागिरी, महाराष्ट्र

• स्वच्छ पर्वतीय शहर
जम्मू, जम्मू-कश्मीर
रुद्रपुर, उत्तराखंड
शोपियां, जम्मू-कश्मीर

• स्वच्छ रिवरफ्रंट वाले शहर
रीवा, मध्यप्रदेश
बिलासपुर, छत्तीसगढ़
वाराणसी, उत्तरप्रदेश

सोनिया ने किताब में लिखा-राजीव की हत्या की आशंका थी

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने अपनी किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' में लिखा है कि राहुल को पिता राजीव की हत्या की आशंका थी। मार्च 1991 में अमेरिका लौटने से पहले राहुल ने कहा था कि अगर पिता की सुरक्षा नहीं बढ़ाई गई तो उन्हें जल्द ही उनके अंतिम संस्कार के लिए घर आना पड़ेगा।

सोनिया के मुताबिक, उस समय राजीव गांधी की जान को खतरा लगातार बढ़ रहा था, लेकिन उनकी सुरक्षा के इंतजाम कमजोर कर दिए गए थे। प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद भी खतरा कम नहीं हुआ था। इसके बावजूद उन्हें पहले जैसी सुरक्षा नहीं मिल रही थी।

इसके 2 महीने बाद ही 21 मई 1991 को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी रैली के दौरान आत्मघाती बम विस्फोट में हत्या कर दी गई थी। सोनिया लिखती हैं कि मार्च 1991 में ईस्टर की छुट्टियों के दौरान राहुल अमेरिका से घर आए थे। उस समय वे पढ़ाई के लिए अमेरिका में थे। उन्होंने अपने पिता के साथ बिहार दौरे पर जाने की जिद की। इस दौरे में राहुल ने जो देखा, उससे वे हैरान रह गए।

'पार्टनर होना अपराध साबित करने के लिए काफी नहीं' : पटाखा फैक्ट्री मामले में हाईकोर्ट का फैसला

राष्ट्रबाण | इंदौर | एजेंसी
rashtrabaan.in

देवास की अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने दो आरोपियों को जमानत दे दी है। हादसे में 12 मजदूरों की मौत हुई थी, जबकि 19 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति का फैक्ट्री में मालिक, फाइनेंसर, मैनेजर या पार्टनर होना अपने आप में उसकी आपराधिक जिम्मेदारी तय करने के लिए पर्याप्त नहीं है। अभियोजन को यह साबित करना होगा कि संबंधित व्यक्ति की अपराध में क्या व्यक्तिगत भूमिका थी और उसने कौन-सा आपराधिक कृत्य किया।

जस्टिस आलोक अवस्थी ने आरोपी मुकेश विज और अनिल मालवीय की ओर से पेश अपील स्वीकार करते हुए जिला कोर्ट के जमानत खारिज करने वाले आदेश को निरस्त कर दिया।

किसकी क्या थी भूमिका?

जांच में मुकेश विज पर फैक्ट्री के वित्तीय नियंत्रण और साझेदारी की भूमिका होने का आरोप था, जबकि अनिल मालवीय पर फैक्ट्री के संचालन की जिम्मेदारी होने की बात कही गई थी। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से दलील दी गई कि दोनों आरोपियों के वित्तीय लेन-देन और फैक्ट्री में उनकी भूमिका से घटना की जानकारी और साझा मंशा जाहिर होती है।

14 मई को हुआ था भीषण विस्फोट



देवास जिले में 14 मई 2026 को एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हुआ था। हादसे में 12 मजदूरों की जान चली गई थी और 19 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। जांच में फैक्ट्री में अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने, जरूरी एनओसी और लाइसेंस संबंधी शर्तों का पालन नहीं करने तथा निर्धारित सीमा से अधिक विस्फोटक सामग्री रखने की बात सामने आई थी।

अडाणी ने 4 उत्तराधिकारी चुने, इनमें 2 बेटे, 2 भतीजे

नईदिल्ली। अडाणी ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष 64 वर्षीय गौतम अडाणी अपने कारोबारी साम्राज्य की बागडोर चार पारिवारिक सदस्यों की एक चुनिंदा टीम को सौंपेंगे। इस टीम में उनके दो बेटे करण और जीत तथा दो भतीजे प्रणव और सागर शामिल हैं। इन्हें पूर्ण नियंत्रण कब सौंपा जाएगा, यह अभी तय नहीं है। अडाणी ने फॉर्च्यून इंडिया से विशेष बातचीत में कहा, 'अगली पीढ़ी को नेतृत्व विरासत में नहीं मिलता है। उन्हें इसे हासिल करने की जिम्मेदारी विरासत में मिलती है।' भारतीय शेयर बाजारों में लिस्टेड अडाणी ग्रुप की एक दर्जन कंपनियों का मार्केट कैप 17 लाख करोड़ रुपए से अधिक है।

बांग्लादेश के 21 जिलों में हिंसा : 24 घंटे में 22 वाहन फूंके

ट्रेन का कोच भी जलाया; पूर्व पीएम हसीना की वापसी के ऐलान पर तनाव

राष्ट्रबाण | ढाका | एजेंसी
rashtrabaan.in

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के ऐलान के बाद बांग्लादेश में हिंसा फिर भड़क गई है। सोमवार रात से मंगलवार शाम तक देश के कम से कम 21 जिलों में आगजनी की घटनाएं सामने आई। बसों और ट्रेन के कोच में आग लगाई गई। सरकारी दफ्तरों और शिक्षण संस्थानों के गेट भी बंद कर दिए गए। बांग्लादेश पुलिस और ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 11 जिलों में 22 वाहनों को आग लगाई गई। ढाका और छह अन्य जिलों में कम से कम 28 जगह देसी बम धमाकों की घटनाएं हुई।

पुलिस मुख्यालय का दावा है कि इन घटनाओं के पीछे शेख हसीना की पार्टी के समर्थक हैं। पुलिस के मुताबिक, हसीना की बांग्लादेश वापसी की घोषणा के बाद हिंसा की घटनाएं शुरू हुई।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प

मंगलवार सुबह गोपालगंज के टुंगीपाड़ा में तनाव बढ़ गया। सुबह करीब 9:30 बजे प्रतिबंधित छात्र लीग के कार्यकर्ताओं ने गोहारडांगा चौरंगी चौराहे पर सामान जलाकर सड़क जाम कर दी। बाद में अवामी लीग और जुबो लीग के कार्यकर्ता भी उनके साथ शामिल हो गए।

प्रदर्शनकारी जब पाटगाती बाजार की ओर जुलूस निकाल रहे थे, तब एक स्थानीय बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी कार्यालय के बाहर लगे कई बैनर और सजावटी पट्टियां तोड़ दी गईं। पुलिस ने जुलूस रोकने की कोशिश की तो झड़प शुरू हो गई। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इसमें कम से कम 10 लोग घायल हुए। टुंगीपाड़ा थाने के प्रभारी अधिकारी अयूब अली ने बताया कि कई पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं। प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पुलिस की गाड़ी में तोड़फोड़ की और उसे आग लगा दी। काशियानी और गोपालगंज शहर के कई इलाकों में भी सड़क जाम किए जाने की खबरें आईं।



बस में आग लगाई, ड्राइवर की मौत

सोमवार देर रात फरीदपुर शहर के गोलाचामट इलाके में न्यू बस टर्मिनल पर खड़ी एक बस में आग लगा दी गई। पुलिस के मुताबिक, बाइक पर तीन लोग आए थे। इनमें से एक ने बस पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। घटना के समय बस ड्राइवर मोहम्मद कलाचन अंदर सो रहे थे। आग लगने के बाद वे बाहर निकलने में कामयाब रहे, लेकिन धुआं सांस में जाने से उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। कलाचन गोपालगंज जिले के मुक्सुदपुर उपजिला के दिगनगर गांव के रहने वाले थे। चट्टोग्राम के पहाड़तली इलाके के सागरिका और कलूरघाट में दो यात्री बसों को आग लगा दी गई। बरगुना के बेतागी में नगर निगम के ट्रक और मानिकगंज बस स्टैंड पर एक बस को फूंक दिया गया। नाओगांव में अल बराका परिवहन की दो बसें भी आग की चपेट में आ गईं।

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकी हमला, 3 घायल

घटना का सीसीटीवी फुटेज आया, बाइक सवार 30 राउंड फायर करके भागे

राष्ट्रबाण | श्रीनगर | एजेंसी
rashtrabaan.in

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर फायरिंग कर दी।

आतंकी हमले का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें हमलावर 15 सेकेंड के अंदर करीब 30 राउंड फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। घटना करीब 2:15 बजे की है। इसमें तीन जवान घायल हो गए। उन्हें अनंतनाग के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल जवानों की पहचान हेड कॉन्स्टेबल सोमवीर और कॉन्स्टेबल संतानो और राकेश दास के तौर पर हुई है। तीनों सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन में तैनात हैं। एक जवान के पैर, दूसरे के हाथ और तीसरे की पीठ में गोली लगी है। फायरिंग के बाद हमलावर फरार हो गए। सुरक्षाबलों ने इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

चेकपॉइंट पर जवान तैनात थे, अचानक चली गोलियां



हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में काफी अंधेरा है। इसमें कुछ सेकेंड तक जवान इधर-उधर जाते दिखाई देते हैं। तभी अचानक गोलियां चलने और चीखने की आवाज आती है। वीडियो में एक जवान चिल्लाते हुए कहता सुनाई देता है, 'इधर आ, जल्दी आ, गोली चल रही है।' इसके बाद फिर लगातार गोलियां चलने लगती हैं।

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी, दिल्ली में एक्यूआई 322 के पार

मप्र में तापमान 12 डिग्री से नीचे; बिहार में बारिश का अलर्ट, राजस्थान में दिन का तापमान 38डिग्री

राष्ट्रबाण | नईदिल्ली | एजेंसी
rashtrabaan.in

जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी हुई। गुलमर्ग गोंडोला के फेज-1 के आसपास के पहाड़ बर्फ की सफेद चादर से ढक गए। दिल्ली में एम्स के आसपास सुबह 6:30 बजे एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 322 दर्ज किया गया, जो बहुत खराब श्रेणी में आता है।



एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 201 से 300 तक होने पर हवा खराब मानी जाती है। 301 से 400 तक बहुत खराब और 401 से 500 गंभीर श्रेणी होती है। मध्य प्रदेश के 17 शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। अमरकंटक और करौंदी में पारा 12 डिग्री से नीचे चल रहा है।

बिहार में सुबह और रात को हल्की ठंड पड़ रही है, जबकि दोपहर में धूप के कारण गर्मी महसूस हो रही है। जमुई, मुंगेर और बांका समेत 5 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

बैलिस्टिक-क्रूज मिसाइलों के साथ लॉन्चर भी मौजूद; जंग के बाद तीसरी बार जारी किया वीडियो

ईरान ने नई अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी दिखाई

राष्ट्रबाण | तेहरान | एजेंसी
rashtrabaan.in

ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने नई अंडरग्राउंड मिसाइल सिटी का वीडियो जारी किया है। इसमें बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ उन्हें लॉन्च करने वाले सिस्टम भी रखे दिखाई दिए। आईआरजीसी से जुड़ी न्यूज एजेंसी तस्नीम ने मंगलवार को इस मिसाइल सिटी की तस्वीरें जारी कीं। हालांकि यह नहीं बताया गया कि यह ठिकाना कहां है या इसमें कितनी मिसाइलें हैं।

जंग शुरू होने के बाद यह तीसरी बार है, जब ईरान ने अपने अंडरग्राउंड मिसाइल ठिकानों का वीडियो दुनिया को दिखाया है।

अमेरिका को अपनी तैयारी दिखा रहा ईरान



ईरान ने यह वीडियो ऐसे समय साझा किया है, जब अमेरिका उस पर प्रतिबंध जारी रखे हुए है और उसकी नौसैनिक नाकेबंदी भी कर रहा है।

गल्फ न्यूज के मुताबिक, इस मिसाइल सिटी को दिखाकर ईरान यह संदेश देना चाहता है कि हमलों के बावजूद उसकी सैन्य ताकत बनी हुई है। जमीन के नीचे मिसाइल बनाने और रखने की व्यवस्था से ईरान अपने हथियारों को हवाई हमलों से बचाना चाहता है। इसके लिए वह सैन्य ठिकानों को अलग-अलग जगहों पर बना रहा है और उन्हें जमीन के नीचे छिपा रहा है। कार्यक्रम के दौरान आईआरजीसी कमांडर माजिद मौसवी ने चेतावनी भी दी कि जरूरत पड़ने पर ईरान अपने दुश्मनों के ठिकानों पर पूरे इलाके में और उससे बाहर भी हमला कर सकता है।

ईरान के पास अब कितनी मिसाइलें बचीं, यह साफ नहीं

ईरान की सैन्य ताकत में मिसाइलों की अहम भूमिका है। हालांकि, अमेरिकी और इजराइली हमलों के बाद उसके पास कितनी मिसाइलें बची हैं और अंडरग्राउंड ठिकानों में कितनी रखी हैं, इसका सही आंकड़ा सामने नहीं आया है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 2022 में ईरान के पास 3000 से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें होने का अनुमान लगाया था। लंबे समय तक इसी आंकड़े को उसके मिसाइल भंडार का आधार माना गया। इस साल की शुरुआत में इजराइली सेना ने उसके पास करीब 2500 मिसाइलें होने का अनुमान लगाया था। साथ ही बताया था कि ईरान हर महीने दर्जनों नई मिसाइलें बना रहा है।



दुनिया का अनोखा देश पुर्तगाल

दुनिया में कई ऐसे देश हैं जो बाकी देशों से बिल्कुल अलग हैं। इन देशों में पुर्तगाल का नाम भी शामिल है। फुटबॉल खेलने वाली दुनिया की बेस्ट टीमों में पुर्तगाल का भी नाम है। इस देश में कई ऐसी चीजें हैं जो दुनिया के दूसरे देशों से इसको अलग करती हैं। आईए बताते हैं इस देश से जुड़ी कुछ दिलचस्प और खास बातें जिनके बारे में जानकर आपको यकीन नहीं होगा।



- पुर्तगाल की स्थापना 1128 ईस्वी में की गई थी। इस देश को आधिकारिक तौर पर पुर्तगाली गणराज्य कहते हैं। यह यूरोप के सबसे ज्यादा पुराने देशों में शामिल है। पुर्तगाल की 15 ऐसी जगहें हैं जो यूनेस्को की विश्व विरासत स्थलों में शामिल हैं। अलकोबाका मठ, बटाला मठ और ऑल्टो डोरो वाइन यूनेस्को की विश्व विरासत स्थल में शामिल हैं। इसके साथ ही पुर्तगाल की कई और रोचक बाते हैं जिनके बारे में कम ही लोग जानते होंगे।
- पुर्तगाल के एक शेफ ने साल 2012 में कमाल कर दिया था। उसने दुनिया का सबसे बड़ा ऑमलेट बनाने का काम किया था। इस ऑमलेट का वजन 5443 किलो से भी ज्यादा था।
- पुर्तगाल का कोयंबरा विश्वविद्यालय काफी प्रसिद्ध है। यह दुनिया के सबसे पुराने विश्वविद्यालयों में शामिल है। इसकी लाइब्रेरी बेहद अनोखी है और इसमें रखी पुस्तकों को दीमक नुकसान ना पहुंचा पाएं इसके लिए एक खास उपाय किया गया है। यहां चमगादड़ पाले गए हैं ताकि वे दीमकों को खा जाएं।
- पुर्तगाल की राजधानी लिस्बन में स्थित एक पुल यूरोप का सबसे लंबा पुल है। 17 हजार मीटर से भी ज्यादा लंबे इस पुल का नाम वास्को डी गामा है।
- पुर्तगाल में ही पानी के अंदर बना दुनिया का सबसे बड़ा कृत्रिम पार्क है। इस पार्क को ओशियन रिवाइवल अंडरवॉटर पार्क' कहा जाता है। इसके अलावा पुर्तगाल में कई बेहद खूबसूरत स्थल हैं जहां हमेशा पर्यटक आते रहते हैं। इन जगहों की खूबसूरती देखती ही बनती है।





साभार

भारत के असली स्पाइडर मैन डॉ. सुमित चक्रवर्ती

पौराणिक ग्रंथों से लेकर इतिहास के साक्ष्यों में अपनी जगह बनाने वाले मकड़ी के बारे में जानना बेहद दिलचस्प है। जबलपुर में जीवित मकड़ियों का एक मकड़ालय है, जहां मकड़ियों की विविध प्रजातियां मौजूद हैं। यह काम वैज्ञानिक सुमित चक्रवर्ती पिछले 48 वर्षों से कर रहे हैं।



मकड़ी या मकड़ा (स्पाइडर) को देखने-पढ़ने या सुनने के बाद जेहन में केवल एक ही खयाल आता है हॉलीवुड का स्पाइडर मैन या आमतौर पर आदमी इसे देखते ही अपनी नाक-भौं सिकोड़ कर तिरस्कार भरी नजरों से देखता है। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि भारत में कोई असली में स्पाइडर मैन हो सकता है? तो अब आप अपनी कल्पना की उड़ान को यहीं पर लगाम दीजिए। हम आपको यहां एक असली स्पाइडर मैन यानी वैज्ञानिक डॉ.सुमित चक्रवर्ती से रूबरु कराते हैं। सुमित पिछले लगभग पांच दशकों से देशभर में पाए जाने वाले सैकड़ों प्रकार के स्पाइडर पर काम कर रहे हैं। न केवल शोध कर रहे हैं बल्कि अब तक 150 से अधिक प्रजाति के स्पाइडर एकत्रित कर देश का पहला मकड़ालय (अरेकनेरियम) तैयार किया है। उन्होंने डाउन टू अर्थ से कहा, घरों में जब आप मकड़ी देखते हैं तो कोशिश करते हैं कि उन्हें हटा दें ताकि घर साफ रहे। लेकिन सच ये है कि ये मकड़े आपके घरों में मौजूद उन कीट-पतंगों को मार देते हैं, जो हमें खुली आंखों से नहीं दिखाई पड़ते। कुछ कीड़े वे नहीं खाते हैं, लेकिन उन्हें मार अवश्य देते हैं। आमतौर पर स्पाइडर को कीट-पतंगा माना जाता है लेकिन वास्तव में वे बिना रीढ़ व जुड़े हुए पैरों वाले जीव के समूह का एक हिस्सा हैं। हालांकि, स्पाइडर को बिच्छू व कुटकी (फैमली) जैसे जीवों के कुनबे में रखा गया है।

नंगी आंखों से किसी स्पाइडर की आधा दर्जन से अधिक आंखों को देख पाना नामुमकिन होता है। सुमित ने स्पाइडर की शारीरिक संरचना के बारे में बताया कि स्पाइडर कीट-पतंगों से इस लिहाज से अलग हैं, क्योंकि उनमें आठ पैर, आठ आंखें और रेशम छोड़ने वाली ताकत होती है। कुछ की छह आंखें होती हैं, जबकि कुछ बिल्कुल अंधे होते हैं। मकड़ों की आंखें हमारी आपकी आंखों की ही तरह होती हैं लेकिन वह आकार में काफी छोटी होती हैं। उनके शरीर को दो हिस्सों में बांटा जा सकता है। पहला सिर और दूसरा पेट और यह वक्ष से जुड़ा होता है। इसके विपरीत कीट-पतंगों के शरीर तीन हिस्सों में बंटे होते हैं।

भारत में स्पाइडर की लगभग 1500 प्रजातियां पाई जाती हैं, यह 65 कुनबों में आते हैं। जबकि दुनियाभर में स्पाइडर की लगभग 48,165 प्रजातियां हैं, जिन्हें 117 कुनबों में बांटा गया है। स्पाइडर इस नजरिए से अद्भुत होते हैं क्योंकि वे विशेष रेशम ग्रंथियों की मदद से रेशम का निर्माण करते हैं। इस तरह के स्पाइडर को दो बड़े समूहों में बांटा जाता है। एक समूह वो होता है, जो अपने शिकार को फंसाने के लिए जाले बुनता है और दूसरा वो होता है जो घूम-घूम कर शिकार करता है।

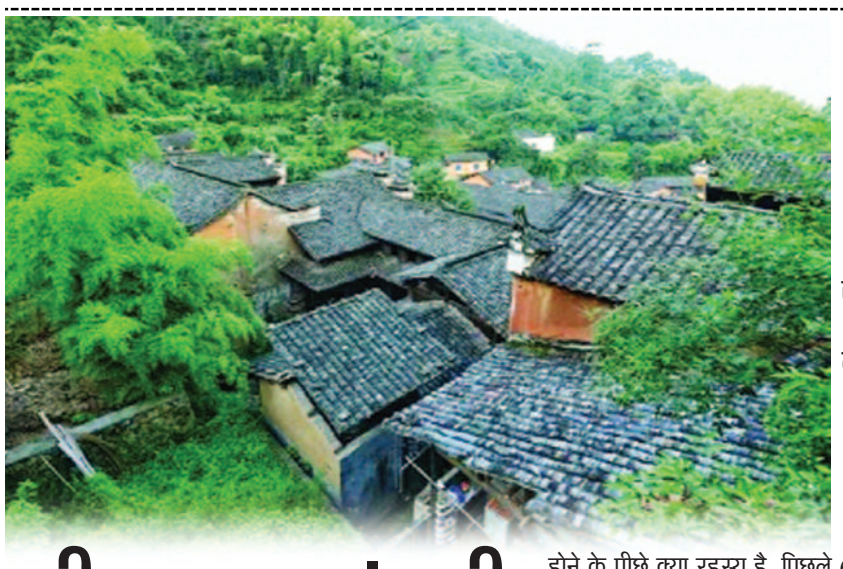
फसल लगे खेत, जंगल और वनों की जैविकता को बरकरार रखने में स्पाइडर अहम भूमिका निभाते हैं क्योंकि वे हानिकारक कीट का शिकार कर लेते हैं। इसके साथ ही परभक्षी होने के नाते स्पाइडर पारिस्थितिक तंत्र के खाद्य पिरामिड को प्राकृतिक रूप से संतुलित भी रखते हैं। स्पाइडर हर जगह पाए जाते हैं, चाहे वो रेत से भरा रेगिस्तान हो या बर्फ से ढंका पहाड़। बहुत सारे स्पाइडर को नमीयुक्त व दलदली जगह पसंद है। इनमें से कई तो लंबे समय तक पानी के भीतर भी जीवित रह सकते हैं। भारत में मौजूद दलदली जगह में रहनेवाले माछभक्षी स्पाइडर आधे घंटे से ज्यादा वक्त तक पानी के भीतर जीवित रह सकते हैं। बर्फ के भीतर स्पाइडर माइनस 30 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी जिंदा रह सकते हैं। हालांकि ये समुद्र में नहीं पाए जाते, अलबत्ता समुद्र के किनारे और मुहानों पर स्पाइडर मिल जाते हैं। एक ऐसा स्पाइडर है जो अपने शिकार को फंसाने के लिए रेशमी जाले बुनता है। स्पाइडर खुद इन जालों में नहीं फंसता क्यों कि जाला दो प्रकार के बुनता है एक सूखा और दूसरा चिपचिपा जिसमें शिकार फंसता है। वह सूखे वाले जाले पर चलता है। जब ये जाले पुराने पड़ जाते हैं और कीट-पतंगे नहीं फंसते हैं, तो स्पाइडर इन जालों को समेट कर खा जाता है। स्पाइडर के बनाए रेशम में प्रोटीन होता है और इसे स्पाइड्रॉइन कहा जाता है। ज्वाइंट वुड स्पाइडर के बनाए जाले तो स्टील के बने जाले से 10 हजार गुना मजबूत होते हैं। अमेरिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया में दो दशक के व्यापक शोध के बाद बायोतकनीकी प्रक्रिया के तहत कृत्रिम रूप से इस रेशम का निर्माण किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल बुलेट प्रूफ जैकेट, इंसुलेटिंग वायर, सर्जिकल स्टिचिंग धागे और डिस्पोजेबल कप तैयार करने में हो रहा है।

स्पाइडर की तुलना शेर से करना बेमानी होगी लेकिन यदि स्पाइडर की प्रवृत्ति को देखें तो पाएंगे कि मांसाहारी होने के बावजूद यह भी शेर की ही तरह मृत जीवों का भक्षण नहीं करता। यही नहीं वह अपने आकार का ही जीवित शिकार खोजता है। छोटे स्पाइडरों के एक समूह को छोड़ बाकी सभी स्पाइडर जहरीले होते हैं। स्पाइडर की लार ग्रंथि ही जहर ग्रंथि में तब्दील हो जाती है। स्पाइडर अपने शिकार के शरीर में जहर डाल देते हैं, जिससे शिकार की तत्काल मौत हो जाती है। स्पाइडर का जहर मानव के लिए खतरनाक नहीं होता क्योंकि उसमें जहर की मात्रा बहुत कम होती है और इससे मानव के शरीर में बहुत कम रासायनिक प्रतिक्रिया होती है। स्पाइडर के काटने से मधुमक्खी के काटने जितना ही दर्द होता है। लेकिन, कुछ खतरनाक रूप से जहरीले स्पाइडर भी इस दुनिया में हैं। इंडियन रेडबैक स्पाइडर भारत का सबसे जहरीला स्पाइडर है। इसका जहर तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है। इस जहर का वैज्ञानिक नाम लेक्टोडिक्टस हैसल्सी है। इससे दवाई बनती है। ये मकड़ा मुख्य तौर पर सूखे इलाकों के पत्थरों में पाया जाता है। महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश में भी ये मिलता है। ये मनुष्यों पर हमला नहीं करता है जब तक कि आप उसके निवास स्थान में जाकर कुछ छेड़छाड़ न करें। कुछ स्पाइडर के शरीर के बाल भी खतरनाक होते हैं क्योंकि इसमें जहरीला तत्व पाया जाता है।

चूंकि ये स्पाइडर जिस आबोहवा में रहते हैं और प्रजनन करते हैं वो मानव दुनिया से बिल्कुल अलग है, इसलिए मानव पर उनके हमले का कोई खतरा नहीं है। सुमित को स्पाइडर की कार्यप्रणाली का इल्म ऐसे ही नहीं हुआ है। वह कई घंटों तक जंगलों में या पुराने गिर-पड़े घरों में एक ही स्थान पर खड़े हो कर स्पाइडर की होने वाली गतिविधियों पर बारीकी से नजर रखते थे। वह बताते हैं कि एक बार जब मैं पानी में कई घंटों तक एक स्पाइडर पर नजर गाड़े खड़ा रहा तो पता चला कि स्पाइडर की एक प्रजाति मछली भी खाती है। इसका वैज्ञानिक नाम नाइलस एल्बाकसिंग्टस है। यह स्पाइडर पानी में जाकर मछली का शिकार करता है। इसकी विशेषता होती है कि वह पानी के वेग से समझ जाता है कि मछली कितनी बड़ी है और वह उसका शिकार कर पाएगा कि नहीं। इसके अलावा एक प्रजाति का सोशल स्पाइडर पेड़ पर रहता है। ये पत्ते और सिल्क से घोंसला बनाते हैं, जिसमें सैकड़ों मकड़े रहते हैं। यूं तो मकड़े अकेले रहते हैं क्योंकि उन्हें एक-दूसरे को खा जाने का डर रहता है। लेकिन सोशल स्पाइडर एक साथ रहते हैं।

इनका शिकार करने का तरीका अद्भुत होता है। उनके जाल में जब शिकार फंसता है, तो सबसे छोटे मकड़े को भेता है। वह सिग्नल (जाले को हिला कर कंपन पैदा करता) देता है कि वह खाने लायक है या नहीं और यदि वह खाने लायक होता है तो वह सिग्नल देता है। फिर कई और मकड़े आते हैं और शिकार में जहर डाल कर उसे उठा ले जाते हैं। एक हंटर स्पाइडर होता है। यह घरों के कोने में मिट्टी का बिलनुमा एक घर बनाता है। फिर जंगल में जाकर स्पाइडर पकड़ता है। स्पाइडर को पकड़ कर उन्हें काट लेता है, जिससे हमेशा के लिए वे स्पाइडर मदहोशी की हालत में चले जाते हैं। वे जिंदा तो रहते हैं, लेकिन हिलडुल पाने की हालत में नहीं होते। स्पाइडर हंटर उस घोंसले में बहुत छोटा अंडा देता है। अंडा फूटता है तो उसमें से लार्वा निकलता है।

ये लार्वा मकड़ों को खाना शुरू करता है और बड़ा होकर उस घर को तोड़कर बाहर आता है। मकड़ों के हानिकारक और लाभकारी गुणों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित ट्रॉपिकल फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट में चक्रवर्ती के प्रयासों से मकड़ालय की स्थापना 2018 में की गई है। इसकी स्थापना का उद्देश्य प्राकृतिक वातावरण तैयार कर स्पाइडर के रहने व प्रजनन की व्यवस्था करना है। अंत में सुमित चक्रवर्ती कहते हैं, स्पाइडर के पास जाने से कोई खतरा नहीं है क्योंकि स्पाइडर की कोई इच्छा नहीं होती है कि वह आपको नुकसान पहुंचाए। स्पाइडर असामान्य जीव हैं, वे कीट-पतंगों का शिकार कैसे करते हैं, झीगुरों को कैसे रेशम के जाले में लपेटते हैं। हमारे देश में प्राकृतिक इतिहास को नजदीक से देखने की सुविधा विरले ही मिलती है। ऐसे में अगर आप मकड़ालय में जाकर मकड़ों पर अपना नोटबुक तैयार करें, तो भविष्य में बायोलॉजिस्ट के लिए वह नोटबुक सूचनाओं का बेहतरीन स्रोत बन सकता है।



दुनिया में कई ऐसे अनसुलझे रहस्य हैं, जिनपर से आज तक पर्दा नहीं उठ पाया है। ऐसा ही एक रहस्य है चीन के एक गांव का। सदियों से इस गांव के साथ एक ऐसा शाप चला आ रहा है जो चीन ही नहीं पूरी दुनिया के लिए रहस्य है। ये शापित गांव चीन के शिचुआन प्रांत में है। इसका नाम यांग्सी है।

चीन का यांग्सी गांव जहां पैदा होते हैं बौने

चीन के यांग्सी गांव में ज्यादातर आबादी छोटे कद की है। इस गांव की कुल आबादी का पचास फीसदी भाग बौनों का है। वहीं इनकी कुल लंबाई 2 फीट से लेकर मात्र तीन फीट तक है। चीन के इस गांव में पैदा होने वाले बच्चों की लंबाई 5 से 7 साल की उम्र तक तो सामान्य रूप से बढ़ती है, लेकिन इसके बाद रुक जाती है। यानी इनकी लंबाई 2 फीट से लेकर 3 फीट 10 इंच तक ही रहती है। वहीं कुछ-कुछ लोगों की लंबाई 10 साल की उम्र तक बढ़ती है।

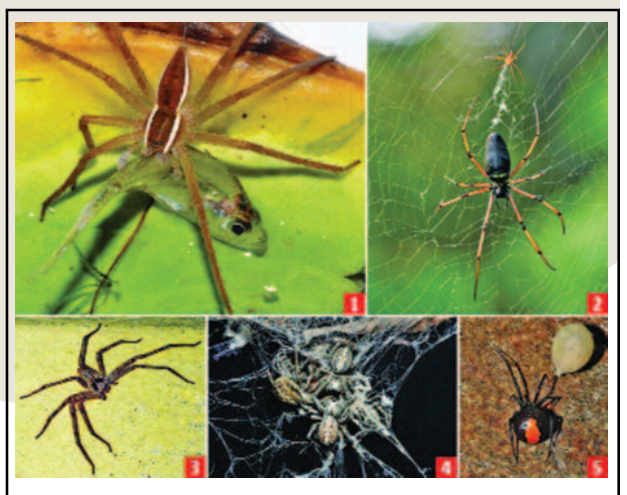
गांव पर है किसी बुरी शक्ति का साया!

एक तरफ आसपास के गांवों के लोगों का मानना है कि इस गांव पर किसी बुरी शक्ति का साया है, जिसकी वजह से यहां के लोगों की लंबाई नहीं बढ़ पाती है। वहीं दुसरी ओर मान्यता है कि गांव प्राचीन काल से ही शापित है, जिसका असर आज भी गांव पर देखने को मिलता है। लोगों के बौने होने के पीछे क्या रहस्य है, पिछले 60 सालों में इसका पता वैज्ञानिक भी नहीं लगा पाए हैं।

किसी बीमारी का है असर!

इस गांव के बड़े-बुजुर्गों का कहना है कि दशकों पहले गांव को एक खतरनाक बीमारी ने अपनी चपेट में ले लिया था। बीमारी के कारण आज भी इस गांव के बच्चों की लंबाई एक समय के बाद रुक जाती है। चीन के इस गांव में ऐसा 60 सालों से होता आ रहा है। लोगों के बौने होने को लेकर कई बार इस गांव में शोध भी किये गए, लेकिन वैज्ञानिक आज तक इस समस्या का हल नहीं निकाल पाए। गांव के प्राकृतिक संसाधनों पर भी पूरा रिसर्च किया जा चुका है। लेकिन कुछ खास पता नहीं चल सका। वहीं यांग्सी गांव को लेकर कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि इस की मिट्टी में पारा अधिक है। यह भी एक कारण हो सकता है। इसके अलावा बौनेपन का कारण वे जहरीली गैसें भी हो सकती हैं जो कई बरस पहले जापान ने चीन में छोड़ी थी।





मकड़ियों का विचित्र संसार

1. मछली का शिकार करने वाला फीशर स्पाइडर (नाइलस स्पाइडर)
2. स्टील तार से भी मजबूत जाला बनाने वाला ज्वाइंट वुड स्पाइडर (नेफिला स्पाइडर)
3. भारत को सबसे जहरीला इंडियन रेड बैक स्पाइडर (लेट्रोडेक्टस हासेली)
4. सोशल स्पाइडर (स्टेगोडाइफस) मिलकर शिकार करता है
5. शिकार करने वाला हंटर स्पाइडर (हैट्रोपोडा स्पाइडर)



राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 12 नवंबर 2026

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

बांधवगढ़ में लौटी हाथियों की विरासत, गजराज भी बने पहचान

एक सदी बाद बांधवगढ़ के जंगलों में लौटी हाथियों की मौजूदगी, आधुनिक तकनीक और ग्रामीणों की भागीदारी से संरक्षण की नई पहल



शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

बाघों के लिए विश्वभर में पहचान रखने वाला बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व अब गजराजों की मौजूदगी से भी नई पहचान बना रहा है। करीब एक सदी बाद मध्यप्रदेश के इस वन क्षेत्र में जंगली हाथियों की स्थायी मौजूदगी ने वन्यजीव इतिहास में नया अध्याय जोड़ दिया है। वर्ष 2018 में छत्तीसगढ़ की ओर से पहुंचे हाथियों के झुंड ने धीरे-धीरे बांधवगढ़ के जंगलों को अपना ठिकाना बना लिया।

50 से 70 हाथियों का विचरण

उमरिया और जिले के वन परिदृश्य से जुड़े बांधवगढ़ में वर्ष 2018 के दौरान करीब 30 से 35 हाथियों का झुंड पहुंचा था। पनपथा बफर क्षेत्र से होते हुए हाथियों ने पतौर और खितौली सहित अन्य वन क्षेत्रों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। जंगलों में पर्याप्त पानी, भोजन और अनुकूल वातावरण मिलने से उनका ठहराव बढ़ता गया। वर्तमान में बांधवगढ़ और आसपास के वन क्षेत्रों में लगभग 50 से 70 हाथियों के विचरण का अनुमान है।

दस हाथियों की मौत ने बढ़ाई चिंता: 29 अक्टूबर 2024 को बांधवगढ़ में एक ही झुंड के दस हाथियों की मौत ने वन्यजीव संरक्षण को बड़ा झटका दिया था। जांच में हाथियों के शरीर में साइक्लोपियाज़ोनिक एसिड नामक विषाक्त तत्व की पहचान हुई, जो फफूंद प्रभावित कोदो की फसल में पाया गया था। इस घटना के बाद प्रभावित क्षेत्र में एहतियाती कदम उठाए गए और हाथियों के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए राज्य स्तरीय हाथी टास्क फोर्स गठित करने की पहल की गई।

● जीपीएस कॉलर से हो रही निगरानी

हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए वन विभाग ने आधुनिक तकनीक का सहारा लिया है। नर हाथियों को जीपीएस और वीएचएफ रेडियो कॉलर पहनाकर उनकी आवाजाही पर निगरानी रखी जा रही है। इससे उनके विचरण क्षेत्र, प्रवास मार्ग और आबादी के नजदीक उनकी गतिविधियों की जानकारी मिल रही है। झुंड की मुखिया मादा की निगरानी की भी तैयारी की जा रही है।

● गजरक्षक एप से ग्रामीणों को अलर्ट

मानव-हाथी संघर्ष रोकने के लिए गजरक्षक मोबाइल एप संचालित किया जा रहा है। इसके माध्यम से हाथियों की लोकेशन साझा कर ग्रामीणों को संभावित खतरे से सतर्क किया जाता है। बांधवगढ़ लैंडस्केप के 125 से अधिक गांवों के 2500 से ज्यादा ग्रामीणों को इस व्यवस्था से जोड़ा गया है। इसके अलावा हाथी मित्र दल भी ग्रामीणों को जागरूक करने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की जानकारी देने में जुटे हैं।

हाथियों का विचरण और मानव सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती

बांधवगढ़ की पहचान अब केवल बाघों तक सीमित नहीं रही। करीब एक सदी बाद गजराजों की वापसी ने मध्यप्रदेश की प्राकृतिक विरासत को नई पहचान दी है। वैज्ञानिक निगरानी, आधुनिक तकनीक और स्थानीय लोगों की भागीदारी से संरक्षण के प्रयासों को मजबूती मिल रही है। जरूरत इस बात की है कि जंगलों में हाथियों का सुरक्षित विचरण बना रहे और ग्रामीणों का जीवन भी सुरक्षित रहे।

सह-अस्तित्व बनाना सबसे बड़ी चुनौती

बांधवगढ़ में हाथियों की वापसी प्रकृति के लिए सुखद संकेत है लेकिन फसलों को नुकसान, ग्रामीण क्षेत्रों में हाथियों की आवाजाही और लोगों की सुरक्षा बड़ी चुनौती बनी हुई है। इसके लिए समय पर मुआवजा, प्रभावी सूचना तंत्र, प्राकृतिक वन गलियारों का संरक्षण और पड़ोसी राज्यों के बीच समन्वय जरूरी है।

गाय खिलावन के अवसर पर जबलटोला में श्रीकृष्ण व गौ माता की प्रतिमा का अनावरण



बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in



जिले के लालबर्रा तहसील क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत नगपुरा के गांव जबलटोला में 11 नवंबर 2026 बुधवार को शिव मंदिर चौक, खिला मुठिया स्थल पर भगवान श्रीकृष्ण व गौ माता की प्रतिमा का अनावरण गोवारी समाज के भाईयों- बहनों, ग्राम मुकद्दम आकाश चौहान, पूर्व सरपंच नारायण आगरे, सरपंच प्रतिनिधि डॉ जीवन लिल्हारे, ग्राम के महाजन, वरिष्ठ जन- प्रबुद्ध जन, बुजुर्गों, ग्राम कोटवार, माताओं- बहनों, जागरूक युवाओं, बच्चों व समस्त ग्राम वासियों की मौजूदगी में किया गया। तत्पश्चात परंपरागत भारतीय संस्कृति के तहत गौ माता की पूजा अर्चना गोवारी समाज द्वारा विधि विधान से कर गांव की समस्त जनता जनार्दन व समस्त जन धन की सुख, समृद्धि, यश, वैभव व ग्राम में सभी निरोगी रहें, इस भाव से पूजा अर्चना कर गौ माता का आशीर्वाद प्राप्त कर भगवान श्रीकृष्ण से पृथ्वी पर समस्त जीवों की सुख समृद्धि के लिए कामना की गई। इस गाय खिलावन कार्यक्रम में समस्त ग्रामवासी भाईयों ने अपने-अपने पशु खिला मुठिया स्थल पर लेकर आए, जहां समस्त ग्राम वासियों की उपस्थिति में गायों को धरती पर सुलाकर पूजा कर, गांव के नन्हें- मुन्ने बच्चों को भी धरती पर सुलाकर खिचड़ी का प्रसाद खिलाकर गौ माता के पवित्र गोबर से तिलक लगाकर गोवारी समाज के भाईयों द्वारा दोहा गाकर बाजे की ताल पर नृत्य कर गाय खिलावन कार्यक्रम ग्राम में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अंत में सभी को प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद सभी ग्रामवासी मुकद्दम के घर पहुंचे। जहां मुकद्दम द्वारा गोवारी समाज के भाईयों का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया। गोवारी समाज के भाईयों ने दोहा गाकर बाजे की ताल पर फिर मुकद्दम के निवास पर नृत्य किया। उक्त कार्यक्रम में सखाराम सेन्द्रे, तिलक कारसर्पे, कपूरचंद कारसर्पे, कस्तूरचंद कारसर्पे, लखाराम सेन्द्रे, दीपलाल ठाकरे, झाडूलाल चौहान, शोभाराम बिसेन, डा नानाजी चौहान, दीनाराम बिसेन, रुपचंद चौहान, फगलाल ठाकरे, सेवकराम चौहान, चैनलाल चौहान, खुमानसिंह चौहान, ओमप्रकाश चौहान, चन्द्रप्रकाश चौहान, ऐशनलाल चौधरी, झनकलाल चौधरी, प्रमोद मानेश्वर, शिवप्रसाद बावने व अन्य जनों सहित ग्राम के बुजुर्ग, माताएं- बहनें, युवा साथी, बच्चे मौजूद रहे।

दो स्थाई वारंटों में फरार आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में पेश



सीधी थाना पुलिस ने लंबे समय से की जा रही थी तलाश, एसपी के निर्देश पर हुई कार्रवाई

शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में लंबित स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटों की तामीली के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीधी थाना पुलिस ने दो स्थाई वारंटों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया है। पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देश पर की गई कार्रवाई में आरोपी तुलसीदास पाव पिता जोहन पाव उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम कुसमी डोंगरी टोला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी न्यायालय जयसिंहनगर द्वारा दो अलग-अलग स्थाई वारंट जारी किए गए थे। इनमें एक वारंट न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती कमला उइके तथा दूसरा वारंट न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती कीर्ति उइके द्वारा जारी किया गया था। पुलिस ने दोनों वारंटों की तामीली करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया और आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया।

उत्तराखंड के राज्यपाल का नागरिक अभिनंदन : प्रशासनिक सेवा में चयनित प्रतिभाओं को राज्यपाल ने सम्मानित किया

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

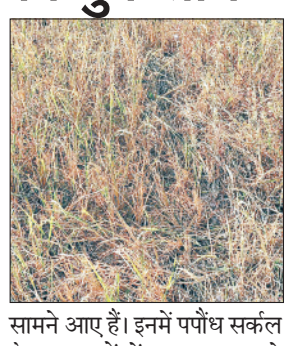


उत्तराखंड के राज्यपाल डॉ. ढालसिंह बिसेन बुधवार को एक दिन के दौरे पर बालाघाट के गर्रा पहुंचे। यहां उनका नागरिक अभिनंदन किया गया। समारोह में सांसद भारती पारधी भी मौजूद रहीं। पंवार समाज के जिलाध्यक्ष विशाल बिसेन के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में राज्यपाल ने प्रशासनिक सेवा में चयनित सामाजिक प्रतिभाओं को सम्मानित किया। समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. बिसेन ने कहा कि पद को सेवा का माध्यम बनाएं, अहंकार का नहीं। अपने दायित्व निभाते समय समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज और जरूरत को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि युवाओं की सफलता विद्यार्थियों को प्रेरणा देगी। परिश्रम, दृढ़ संकल्प और लगातार प्रयास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है। सफलता सिर्फ अच्छे अंक पाने या किसी प्रतिष्ठित पद तक पहुंचने में नहीं, बल्कि ज्ञान, अवसर और सामर्थ्य से समाज और देश में सकारात्मक बदलाव लाने में है।

राज्यपाल ने गर्रा में पंचायत सरपंच वैभव बिसेन की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर शुरू की गई डिजिटल लाइब्रेरी की सराहना की। डॉ. बिसेन ने बताया कि उनकी राजनीतिक यात्रा 1976 में पिपरिया पंचायत के पंच के रूप में शुरू हुई। इसके बाद वे सोसायटी के सदस्य और भाजपा में मंडल से जिला अध्यक्ष तक रहे। फिर विधायक, कैबिनेट मंत्री और लोकसभा सदस्य के रूप में काम किया। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा को कठिन और संघर्ष भरा बताया। डॉ. बिसेन ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के कारण उन्हें उत्तराखंड का राज्यपाल बनने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि वे नेतृत्व की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

हाथियों के मूवमेंट से फसलों और मकानों को नुकसान

4.74 लाख रुपये मुआवजे का आकलन



शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

ब्यौहारी तहसील क्षेत्र में हाथियों के विचरण से किसानों की फसलों और मकानों को हुए नुकसान के बाद प्रशासन ने मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम ने प्रभावित गांवों में सर्वेक्षण कर अब तक 15 मकानों और 60 फसल क्षति के प्रकरण चिह्नित किए हैं। इन दोनों प्रकार की क्षति के लिए कुल 4 लाख 74 हजार रुपये की मुआवजा राशि का आकलन किया गया है।

तहसीलदार ब्यौहारी गैलेक्सी नागपुरे के अनुसार खांड एवं पपौंध राजस्व सर्कल के बंदरचुआ, झिरिया हनुमानपुर, खरहरा, बरहटा, आदर्श नगर तिखवा, दाल, अम्हार-तेरा, ठेचर, चरखा, करही, ढेका, चंदोला, मैर और सहरगढ़ सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों में हाथियों के मूवमेंट से नुकसान हुआ है। सर्वेक्षण के दौरान मकान क्षति के 15 प्रकरण सामने आए हैं। इनमें पपौंध सर्कल के 8 मामलों में 38 हजार रुपये और खांड सर्कल के 7 मामलों में 34 हजार रुपये, इस प्रकार कुल 72 हजार रुपये की मुआवजा राशि स्वीकृत की गई है। वहीं फसल क्षति के 60 प्रकरणों में पपौंध सर्कल के 24 मामलों में 1 लाख 50 हजार रुपये तथा खांड सर्कल के 36 मामलों में 2 लाख 52 हजार रुपये की अनुमानित मुआवजा राशि निर्धारित की गई है। इस तरह फसल क्षति के लिए कुल 4 लाख 2 हजार रुपये का आकलन किया गया है। प्रभावित हितग्राहियों को मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए तहसील स्तर पर आवश्यक बिल तैयार किए जा रहे हैं। वहीं राजस्व और वन विभाग की संयुक्त टीम प्रभावित गांवों में लगातार सर्वेक्षण कर रही है।

कल पाथरशाही में तीसरी मंडई पर छत्तीसगढ़ी आवाज में सजेगी रंगीली रात

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले के लालबर्रा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पाथरशाही के ग्राम पंचायत व स्कूल चौक के समीप 5 दिवसीय दीपोत्सव पर्व दीपावली के बाद कल 13 नवंबर 2026 शुक्रवार को दिन-रात की तीसरी मंडई के उपलक्ष्य में ग्राम पंचायत चौक में ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों के स्वस्थ व स्वच्छ मनोरंजन हेतु मंडई समिति व समस्त ग्राम वासियों के सहयोग से खैरागढ़ छत्तीसगढ़ एवं बालाघाट की संयुक्त प्रस्तुति छत्तीसगढ़ी सुमधुर आवाज में रंगीली रात का आयोजन रखा गया है। प्रेस को जानकारी देते हुए मंडई समिति पदाधिकारी राज बिसेन व अन्य समिति पदाधिकारी व सदस्यों ने बताया कि ग्रामीण व क्षेत्रवासियों के मनोरंजन हेतु तीसरी मंडई के उपलक्ष्य में ग्राम में रात्रिकालीन खैरागढ़ का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम रंगीली रात का आयोजन रखा गया है। जहां गायक प्रदुम्न लिल्हारे द्वारा अपने सहयोगी व कलाकार साथियों के साथ कार्यक्रम की मधुर आवाज में संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजक मंडई समिति अध्यक्ष लिकखन मात्रे, सचिव बसंतराय कटरे, कोषाध्यक्ष जागेश बिसेन, उपाध्यक्ष, सहसचिव व मंडई समिति के सभी पदाधिकारी-सदस्यों एवं समस्त ग्राम वासियों ने मेला लगाने की अपील की है।

जिले में मनाया जाएगा जनजातीय गौरव दिवस, कलेक्टर ने जारी किए निर्देश

18 से 20 नवंबर तक गांवों में लगेंगी जनजातीय गौरव चौपाल, जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश



शहडोल| संवाददाता
rashtrabaan.in

जिले में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस मनाया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जिले के सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार जिले के प्रत्येक जनजातीय विकासखंड मुख्यालय पर भगवान बिरसा मुंडा जयंती के उपलक्ष्य में स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही धार जिले के डही में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण भी किया जाएगा। इसके अलावा 18 से 20 नवंबर 2026 तक प्रत्येक जनजातीय विकासखंड के अंतर्गत चयनित गांवों में जनजातीय गौरव चौपाल आयोजित की जाएंगी। इन चौपालों में जनप्रतिनिधियों की प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित कार्यक्रमों का व्यवस्थित आयोजन कर की गई कार्रवाई का पालन प्रतिवेदन 22 नवंबर 2026 तक सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

ओटीटी के लिए कर रहीं निगेटिव रोल, बोलीं- फिल्मों में टीवी से ज्यादा नेपोटिज्म

बालाघाट में दीपावली मनाने पहुंची एक्ट्रेस नगिना बोपचे

बालाघाट की कलाकार नगिना बोपचे टीवी सीरियल और ओटीटी फिल्म में काम कर रही हैं। दीपावली पर बालाघाट पहुंचीं नगिना ने गुरुवार को एक निजी होटल में मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि तीन साल के करियर में चार सीरियल और एक ओटीटी फिल्म में काम किया है।

नगिना ने बताया कि उन्हें बचपन से ही एक्टर बनने का शौक था। घर की टेबल पर यह बात लिखने पर उनकी मां नाराज हुई थीं। बाद में नागपुर में कॉलेज के दौरान फैशन शो की तस्वीरें देखकर परिवार ने उनकी इच्छा समझी और अभिनय करने की इजाजत दी। परिवार के सहयोग से उन्होंने थिएटर जॉइन किया।



अब कर रहीं निगेटिव रोल

उन्होंने बताया कि करीब तीन साल में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है', 'नागिन' और 'परिणीति' सीरियल में छोटे रोल किए। इसके बाद 'एडवोकेट अंजली अवस्थी' में उन्हें बड़ा काम मिला। अब वह दंगल चैनल के सीरियल 'मन अति सुंदर' में निगेटिव रोल कर रही हैं। साथ ही ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आने वाली फिल्म 'नोटिस' में भी काम कर रही हैं। नगिना ने कहा कि उनका सपना थिएटर कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ काम करने का है। बिना किसी बैकग्राउंड के नाम कमाने और उनके सफर से उन्हें प्रेरणा मिलती है।

फिल्मों में नेपोटिज्म ज्यादा

एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि फिल्म की तुलना में टीवी सीरियल में काम करना उन्हें ज्यादा अच्छा लगता है। उनके मुताबिक, टीवी के मुकाबले फिल्मों में नेपोटिज्म ज्यादा है।

बालाघाट के कही कड़वी बात: उन्होंने कहा कि बालाघाट में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, लेकिन यहां वैसा माहौल नहीं है। अगर जिले की प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिले, तो वे भी फिल्मों में नाम कमा सकती हैं। नगिना ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लोगों को कई क्षेत्रों में प्रभावी लग सकता है, लेकिन उसमें भावनाएं नहीं होतीं। इसलिए वह कलाकारों को असुरक्षित नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि शुरुआत में टीवी और फिल्मों में काम करने को लेकर उन्हें और उनके परिवार को लोगों के ताने सुनने पड़े। अब हालात बदल गए हैं।

राष्ट्रबाण
सिवनी, गुरुवार 12 नवंबर 2026

सिवनी राष्ट्रबाण

● बरघाट ● छपारा ● धनोरा ● घंसौर ● केवलारी ● कुरई ● लखनादौन ● सिवनी ग्रामीण

भ्रष्टाचार की खुली लूट

सिवनी में पूर्व सरपंच साजिद और सचिव राजिक पर एफआईआर की तलवार

ग्राम पंचायत के तत्कालीन सरपंच साजिद खान (सज्जू) और तत्कालीन सचिव मोहम्मद राजिक अंसारी द्वारा आपसी मिलीभगत से गबन किए जाने का पर्दाफाश हुआ है।



साजिद खान, पूर्व सरपंच।

13.85 लाख के गबन का सनसनीखेज मामला

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

जनपद पंचायत सिवनी के अंतर्गत ग्राम पंचायत डोरलीछत्तरपुर में आम करदाताओं और जनता के खून-पसीने की कमाई पर डाका डालने का एक बेहद गंभीर और सनसनीखेज मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत के तत्कालीन सरपंच साजिद खान (सज्जू) और तत्कालीन सचिव मोहम्मद राजिक अंसारी द्वारा आपसी मिलीभगत से कुल तेरह लाख पचासी हजार छह सौ बहत्तर रुपये की शासकीय राशि का आपराधिक दुरुपयोग और कूट-रचना कर गबन किए जाने का पर्दाफाश हुआ है।

इस प्रमाणित वित्तीय भ्रष्टाचार के विरुद्ध सिवनी के जागरूक नागरिक शोएब राजा खान ने सभी पुख्ता विधिक दस्तावेजों, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेशों के साथ थाना प्रभारी डूंडासिवनी तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी के समक्ष औपचारिक शिकायती आवेदन प्रस्तुत कर आरोपियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की है।

बिना कार्य के सरकारी खजाने की लूट, विभागीय जांच में खुली पोल

इस मामले की जड़ें वर्ष 2015 से 2019 के मध्य हुए निर्माण एवं विकास कार्यों से जुड़ी हैं। कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सिवनी की मूल जांच रिपोर्ट दिनांक 18/11/2019 तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जिला कोषालय के तकनीकी विशेषज्ञों के संयुक्त भौतिक सत्यापन में यह खौफनाक सच्चाई सामने आई कि आरोपियों ने बिना किसी निर्माण के जाली मस्टर रोल, फर्जी बिल-वाउचर और कूट-रचित दस्तावेज तैयार कर इतनी बड़ी शासकीय राशि का आहरण कर गटक ली।

7 दिन में राशि जमा करें अन्यथा 30 दिन के लिए होगी जेल



इस वित्तीय महाघोटाले पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्यायालय विहित प्राधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिवनी (आईएएस पवार नवजीवन विजय) ने दिनांक 23/09/2024 को विधिक प्रकरण क्रमांक 19/2023-24 में अंतिम आदेश पारित किया। इस आदेश के तहत म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 89(1) के अंतर्गत गबन की गई राशि को समानुपात में बांटते हुए तत्कालीन सरपंच साजिद खान से 6,92,836 रुपये और तत्कालीन सचिव राजिक अंसारी से 6,92,836 रुपये शासकीय खजाने में वापस जमा करने का आदेश दिया गया है।

साथ ही, समय-सीमा में राशि जमा न करने पर धारा 92 के तहत इन्हें 30 दिनों के लिए सीधे सिविल जेल भेजने तथा भू-राजस्व के बकाए की भांति संपत्ति कुर्क कर राशि वसूलने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

हाई कोर्ट का स्पष्ट संदेश, प्रशासनिक स्टे की आड़ में नहीं बचेगी आपराधिक लायबिलिटी

आरोपियों द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर में रिट याचिका (ङ्क्रक्षह्र. 29924 श्द्ध 2024) दायर कर केवल 'प्रशासनिक वित्तीय वसूली और सिविल जेल' की प्रक्रिया पर अंतरिम स्थगन प्राप्त कर पुलिस विभाग को गुमराह करने का कुचक्र रचा जा रहा था। परंतु माननीय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पूर्व की अवमानना याचिका को खारिज करते हुए दिनांक 11/02/2025 को अपने ऐतिहासिक आदेश में यह विधिक स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी कि माननीय उच्च न्यायालय ने यह साफ कर दिया है कि विभाग द्वारा केवल सिविल वित्तीय वसूली पर रोक लगाने से आरोपियों के आपराधिक कृत्य (गबन, धोखाधड़ी व कूटरचना) के विरुद्ध पुलिस में एफआईआर दर्ज करने या किसी भी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई पर कोई रोक नहीं है।

सिवनी की मूल जांच रिपोर्ट दिनांक 18/11/2019 तथा ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जिला कोषालय के तकनीकी विशेषज्ञों के संयुक्त भौतिक सत्यापन में यह खौफनाक सच्चाई सामने आई कि आरोपियों ने बिना किसी निर्माण के जाली मस्टर रोल, फर्जी बिल-वाउचर और कूट-रचित दस्तावेज तैयार कर इतनी बड़ी शासकीय राशि का आहरण कर गटक ली।

आईपीसी की धाराओं के तहत आजीवन कारावास तक का प्रावधान

शिकायतकर्ता शोएब राजा खान ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 'ललिता कुमारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' और 'प्रीति सराफ बनाम एनसीटी दिल्ली' के मार्गदर्शी सिद्धांतों का हवाला देते हुए पुलिस प्रशासन को स्पष्ट किया है कि दीवानी या प्रशासनिक स्थगन से किसी आपराधिक मुकदमे की शुरुआत को रोका नहीं जा सकता। चूंकि यह गंभीर अपराध शासकीय पद पर रहते हुए मूल्यवान प्रतिभूतियों और शासकीय रिकॉर्ड में जालसाजी कर घटित किया गया है, अतः आरोपियों के विरुद्ध तत्कालीन प्रभावी कानून के तहत भारतीय दंड संहिता की निम्नलिखित धाराओं के तहत तत्काल प्राथमिकी दर्ज होना अनिवार्य है। धारा 409 के तहत लोक सेवक द्वारा आपराधिक विश्वासघात, धारा 420 के तहत धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति का परिदान, धारा 467 के तहत मूल्यवान सुरक्षा, वसीयत आदि की कूट-रचना (जिसमें आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है) और धारा 468 के तहत धोखाधड़ी के उद्देश्य से कूट-रचना, धारा 471 के तहत जाली दस्तावेजों को असली के रूप में उपयोग करना एवं धारा 34 के तहत सामान्य आशय के आधार पर कार्रवाई होना सुनिश्चित है।

शोएब राजा खान ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि थाना स्तर पर एफआईआर दर्ज नहीं की जाती है, तो लोकहित और आम नागरिकों के टैक्स के पैसे की इस खुली लूट के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, सक्षम न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत या माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष सीधे विधिक याचिका प्रस्तुत की जाएगी।

नलकूप खनन, पेयजल व्यवस्था और मोक्षधाम समतलीकरण व सौंदर्यीकरण के नाम पर सरकारी खजाने से पैसे तो निकाल लिए गए, लेकिन मौके पर एक ईंट तक नहीं रखी गई। इससे जुड़ा अनिवार्य मूल्यांकन रजिस्टर और शासकीय अभिलेख भी गायब कर दिए गए। विभागीय संयुक्त जांच में साजिद और राजिक पर यह गबन पूर्णतः सिद्ध हो चुका है।

19 वर्षीय युवक देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार

किराना दुकान के पास घूम रहा था आरोपी, पिता पर 35 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं



सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in



सिवनी में पुलिस को देखकर पिस्टल लेकर भाग रहे 19 वर्षीय युवक को कोतवाली पुलिस ने पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से देशी पिस्टल और खाली मैगजीन मिली। पूछताछ में युवक ने बताया कि पिस्टल उसके पिता की है। पिता के पास दो जिंदा कारतूस होने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस अब उनकी तलाश कर रही है।

कोतवाली थाना प्रभारी संतीश तिवारी ने बताया कि बुधवार दोपहर मुखबिर से सूचना मिली थी कि रानी दुर्गावती वार्ड में अशोक किराना दुकान के पास एक युवक अवैध देशी पिस्टल लेकर घूम रहा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बताए गए हुलिए के आधार पर युवक की तलाश शुरू की। पुलिस को देखते ही युवक भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर घेराबंदी की और उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से स्टील धातु से निर्मित देशी पिस्टल और खाली मैगजीन बरामद हुई। युवक की पहचान मदन उर्फ बादल यादव (19), निवासी रानी दुर्गावती वार्ड के रूप में हुई।

पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में मदन ने बताया कि पिस्टल उसके पिता अजय उर्फ अज्जू कोष्टा ने खरीदी थी। उसने यह भी बताया कि उसके पिता के पास दो जिंदा कारतूस हैं। पुलिस अब अजय की तलाश कर रही है। साथ ही यह पता लगाया जा रहा है कि पिस्टल कहां से खरीदी गई थी और इसका इस्तेमाल किसी आपराधिक वारदात में तो नहीं होना था।

पिता पर 35 से अधिक आपराधिक मामले

पुलिस के अनुसार, अजय उर्फ अज्जू कोष्टा (45) थाना क्षेत्र का सक्रिय निगरानी बदमाश है। उसके खिलाफ चोरी, नकबजनी और मारपीट सहित 35 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। कोतवाली पुलिस ने मदन और अजय के खिलाफ धारा 25/27 आर्म्स एक्ट एवं 3(5) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तार युवक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण लालचंदानी के निर्देशन तथा एएसपी दीपक मिश्रा और सीएसपी चंचलेश मरकाम के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई की गई।

प्रत्येक पटवारी के लिए प्रतिदिन 40 निशुल्क रजिस्ट्री का लक्ष्य निर्धारित

कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की विभिन्न विभागों की समीक्षा

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

सिवनी जिले में प्रशासनिक कसावट और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली। इस बैठक में स्वामित्व योजना, नरवाई प्रबंधन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम, खाद-बीज की उपलब्धता और नशा मुक्ति से जुड़े एनसीार्ड के निर्देशों की बिन्दुवार समीक्षा की गई। बैठक में अपर कलेक्टर श्री नीलमणी अग्निहोत्री सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) और तहसीलदार उपस्थित रहे।

स्वामित्व योजनाः मैदानी अमला सक्रियता से करे कार्य

कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने स्वामित्व योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को उनके आवासीय अधिकारों से जुड़े दस्तावेज यानी निशुल्क रजिस्ट्री प्रदाय करने के कार्य में तेजी लाने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर पात्र हितग्राही को योजना का लाभ समय पर मिलना चाहिए।

योजना में गति लाने के लिए प्रशासन ने कड़ा कदम उठाते हुए प्रत्येक पटवारी के लिए प्रतिदिन 40 रजिस्ट्री कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कलेक्टर ने सभी एसडीएम और तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में इस कार्य की नियमित मॉनिटरिंग करें। जिन क्षेत्रों में रजिस्ट्री की गति धीमी पाई जाए, वहां विशेष प्रयास किए जाएं और पटवारी स्तर पर लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कार्य में गुणवत्ता और पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखने पर भी विशेष बल दिया गया। बैठक के दौरान लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत आने वाले आवेदनों की भी गहन समीक्षा की गई।

शिक्षण संस्थानों के आसपास नशीली सामग्री बेचने वालों पर कसेगा शिकंजा



एनकार्ड की पिछली बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने शिक्षण संस्थानों के आसपास सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्कूल एवं कॉलेजों के इर्द-गिर्द तंबाकू, सिगरेट, नशीले पदार्थों या अन्य नशीली सामग्री का विक्रय करने वाली दुकानों की तत्काल जांच की जाए। कलेक्टर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के आसपास इस तरह की नशीली सामग्रियों की बिक्री किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संबंधित विभाग नियमित रूप से इन क्षेत्रों का निरीक्षण करें और यदि कोई भी दुकान नियमों का उल्लंघन करती पाई जाती है, तो उसके खिलाफ तुरंत कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाए।

नरवाई प्रबंधनः जलाने वालों पर होगी एफआईआर

जिले में पराली या नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए कलेक्टर ने बेहद सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नरवाई जलाने की घटनाओं पर कड़ी नजर रखी जाए और सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमला तत्काल मौके पर पहुंचे।

कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि नरवाई जलाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध नियमों के तहत एफआईआर दर्ज कराई जाए और अर्थदंड (जुर्माना) की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। प्रशासन केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि किसानों को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जाएंगे। इसके तहतः

जिन गांवों में पूर्व में नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आई हैं या जहां संभावना अधिक है, उन्हें संवेदनशील के रूप में चिन्हित किया जाए।

कृषि विभाग के सहयोग से इन गांवों में विशेष जनजागृत कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

किसानों को नरवाई जलाने से पर्यावरण और मिट्टी की उर्वरता को होने वाले नुकसान की जानकारी दी जाए।

किसानों को खेत में नरवाई मिलाने, उसका उचित उपयोग करने तथा उन्नत कृषि यंत्रों के माध्यम से इसके बेहतर प्रबंधन के तकनीकी विकल्प और मार्गदर्शन प्रदान किए जाएं।

नरवाई न जलाएं, खेत की उर्वरा शक्ति और पर्यावरण की करें रक्षा

कलेक्टर ने किसानों से की अपील

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in

रबी फसलों की बोवनी का समय प्रारंभ हो चुका है और किसान खेतों की तैयारी में जुटे हैं। ऐसे समय में खेतों में मौजूद फसल अवशेष एवं नरवाई का उचित प्रबंधन करना बेहद आवश्यक है। कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार ने जिले के किसानों से अपील की है कि नरवाई को जलाने के बजाय उसका उचित एवं वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन करें। नरवाई को आग लगाने से खेत की मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होने के साथ-साथ पर्यावरण और आसपास के क्षेत्रों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

नरवाई जलाने से मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्मजीव नष्ट होते हैं तथा मिट्टी में उपलब्ध जैविक तत्व प्रभावित होते हैं। इससे भूमि की उर्वरा शक्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। वहीं नरवाई जलाने से उत्पन्न धुआं वायु प्रदूषण बढ़ाता है। कई बार खेत में लगाई गई आग तेज हवा के कारण आसपास के खेतों, खड़ी फसलों, पेड़-पौधों एवं अन्य संपत्ति तक पहुंच सकती है, जिससे नुकसान की स्थिति निर्मित हो सकती है। किसान खेत की स्थिति और उपलब्ध संसाधनों के अनुसार रोटावेटर, मल्चर, सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, स्ट्रॉ रीपर आदि कृषि यंत्रों का उपयोग कर नरवाई का प्रबंधन कर सकते हैं।

भटेरा मार्ग बंद, बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग पर जाम

500 मीटर के सफर में लग रहा आधा घंटा, आम लोग रोज हो रहे परेशान

बालाघाट| संवाददाता
rashtrabaan.in



बालाघाट में भटेरा ओवरब्रिज के निर्माण के चलते मार्ग बंद है। वाहनों के लिए दिए गए डायवर्जन के बाद बूढ़ी रेलवे क्रॉसिंग पर जाम लग रहा है। बुधवार को भी बूढ़ी मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लगी। पहले से संकरे इस रास्ते पर डायवर्जन के कारण वाहनों का दबाव बढ़ गया है। रेलवे फाटक बंद होने पर वाहन रुक जाते हैं। आधा किलोमीटर का सफर तय करने में लोगों को आधे घंटे से ज्यादा लग रहा है।

दिनभर में लोकल ट्रेनें करीब 6 से 7 बार गुजरती हैं। इस दौरान फाटक बंद होने से वाहनों की कतार लग जाती है। दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही से भी रास्ते पर दबाव बढ़ा है।

भटेरा रेलवे क्रॉसिंग का रास्ता बंद होने के बाद लोग बूढ़ी मार्ग का इस्तेमाल कर रहे हैं। भटेरा की ओर स्कूल जाने वाले बच्चे और रोजमर्रा के काम से मुख्यालय आने-जाने वाले नागरिक भी इसी रास्ते से गुजरते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि डायवर्जन के बेहतर इस्तेमाल के लिए ठोस व्यवस्था नहीं की गई है। उनका आरोप है कि प्रशासन और पुलिस इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के इस रास्ते से नहीं गुजरने के कारण वे लोगों की परेशानी नहीं समझ पा रहे हैं। ट्रेन गुजरने के दौरान फाटक बंद होने से वाहनों की लंबी कतार लग जाती है और फाटक खुलने के बाद दोनों ओर से वाहनों के एक साथ निकलने की कोशिश स्थिति को और बिगाड़ देती है।

घरों से निकलना मुश्किल, विरोध करने पर धमकाते हैं; पुलिस से छापेमारी की मांग

शराब का अड्डा बना मोहल्ला, महिलाओं ने खोला मोर्चा

सिवनी| संवाददाता
rashtrabaan.in





सिवनी जिले के कान्हीवाड़ा थाना क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ बुधवार को महिलाओं ने मोर्चा खोल दिया। नवोदय नगर बड़टोला और बैगा मोहल्ले की बड़ी संख्या में महिलाएं एकजुट होकर कान्हीवाड़ा थाने पहुंचीं। उन्होंने थाना प्रभारी से मुलाकात कर क्षेत्र में कच्ची और पक्की शराब की बिक्री पर रोक लगाने तथा कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

महिलाओं का आरोप है कि मोहल्ले में लंबे समय से अवैध रूप से कच्ची और पक्की शराब बेची जा रही है। इसके कारण क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। शराब पीकर लोग आए दिन गाली-गलौज, मारपीट और विवाद करते हैं। इसका सबसे ज्यादा असर महिलाओं और बच्चों पर पड़ रहा है। शाम होते ही घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है।

महिलाओं ने बताया कि जब वे शराब बिक्री का विरोध करती हैं और संबंधित लोगों को रोकने की कोशिश करती हैं, तो उन्हें डराया-धमकाया जाता है। इसके बावजूद उन्होंने एकजुट होकर इस कारोबार के खिलाफ आवाज उठाने का फैसला किया है।

छापेमारी और पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग

थाने पहुंची महिलाओं ने पुलिस से अवैध शराब के ठिकानों को चिह्नित कर तत्काल छापेमारी करने और शराब बेचने वालों के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की। उन्होंने क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की भी मांग रखी, ताकि महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित माहौल मिल सके। महिलाओं ने चेतावनी दी कि यदि उचित कार्रवाई नहीं हुई तो वे वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत करेंगी। उनका कहना है कि केवल शिकायत मिलने पर कार्रवाई करने के बजाय क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर स्थायी रोक लगाई जाए, ताकि मोहल्ले में शांति बनी रहे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433